

जंगल- गांव के बाद अब अस्पताल में घुसा हाथी, दरवाजे- खिड़कियां तोड़ीं, बेड और पानी की टंकी भी किया क्षतिग्रस्त

संवाददाता

रांची: राज्य में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। जंगल और खेतों के बाद अब हाथी इंसानी बस्तियों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने लगे हैं। हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र की हरली पंचायत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक जंगली हाथी घुस गया। हाथी ने परिसर में काफी देर तक उत्पात मचाया और वहां रखे कई सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी के अचानक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचने की खबर मिलते ही स्वास्थ्यकर्मियों और आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

दरवाजे-खिड़कियों से लेकर पानी की टंकी और बेड तक



तोड़ा: बताया गया कि जंगली हाथी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के

दरवाजे और खिड़कियों का शीशा तक तोड़ दिया। इसके अलावा

पानी की टंकी, बेड समेत कई अन्य सामान भी क्षतिग्रस्त हो गए।

हाथी के परिसर में घुसने से वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना के बाद ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना होने पर लोगों और सरकारी संपत्ति को नुकसान से बचाया जा सके।

वन विभाग ने कहा- हाथी के करीब न जाएं: इधर, वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि अगर कहीं जंगली हाथी दिखाई दे तो उसके पास जाने या उसे भगाने की कोशिश न करें। लोगों को हाथी की अगर स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पर्याप्त रोशनी होती तो हाथी के पहुंचने की जानकारी पहले मिल सकती थी और नुकसान को कम

किया जा सकता था। ग्रामीणों ने हाई-मास्ट लाइट को तत्काल दुरुस्त कराने के साथ स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना होने पर लोगों और सरकारी संपत्ति को नुकसान से बचाया जा सके।

वन विभाग ने कहा- हाथी के करीब न जाएं: इधर, वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि अगर कहीं जंगली हाथी दिखाई दे तो उसके पास जाने या उसे भगाने की कोशिश न करें। लोगों को हाथी की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को देने की सलाह दी गई है, ताकि समय रहते जरूरी कार्रवाई की जा सके।

खूंटी में पुल के नीचे बारे में मिली युवती की लाश, हत्या के बाद शव फेंके जाने की आशंका



संवाददाता

रांची : जिले के करी-धुर्वां मुख्य मार्ग पर तिग्गा पुल के नीचे शनिवार सुबह एक लावारिस बारा में लगभग 21 वर्षीय अज्ञात युवती का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने पुल के नीचे सफेद रंग का एक सदिग्ध बारा पड़ा देखा और तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बारे की जांच की तो उसमें चादर में लिपटा हुआ युवती का शव मिला।

पुलिस ने शव को अपने संरक्षण में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथमदृष्टया पुलिस हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को फेंकने की आशंका जता रही है। मृतका की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बारे की जांच और शव की स्थिति: तिग्गा पुल के पास शनिवार तड़के लावारिस बारा पड़ा देख काफी समय तक किसी के न आने पर ग्रामीणों को संदेह हुआ और उन्होंने करी थाना

पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस बल ने मौके पर बारे को खोला। बारा आटा अथवा मैदा का बताया जा रहा है। बारा खोलने पर उसके भीतर चादर में लिपटा हुआ युवती का शव बरामद हुआ। युवती के चेहरे पर मैदा लगा हुआ था।

सिर व गर्दन पर मिले चोट के निशान: पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 21 वर्ष के आसपास आंकी गई है। शव के निरीक्षण के समय युवती के सिर और गर्दन पर स्पष्ट रूप से चोट के निशान पाए गए हैं। मृतका ने गहरे भूरे रंग की चेक शर्ट और गहरे नीले रंग का लोअर पहन रखा था। पुलिस ने घटनास्थल से सभी आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद शव को अपने संरक्षण में ले लिया। सदर अस्पताल खूंटी में पोस्टमार्टम कराने के उपरांत शव को शिनाख्त के लिए शीतगृह में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस आसपास के गांवों और थानों में युवती की तस्वीर भेजकर उसकी पहचान सुनिश्चित करने में जुटी है।

खेरबैड़ा डैम हुआ ध्वस्त, कई गांवों में घुसा पानी, फसलें हुई बर्बाद

प्रभावित को चिन्हित कर समुचित मुआवजा दे प्रशासन : देवेंद्रनाथ महतो



धान की फसल एवं अन्य कृषि फसलों को नुकसान पहुंचा है। डैम के ध्वस्त होने के कारण लोटा-गोडाडीह मुख्य मार्ग भी कई घंटों तक प्रभावित रहा, जिससे आवागमन में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सिल्ली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि डैम की मेड़ से पिछले कई दिनों से पानी का रिसाव हो रहा था। यदि ससमय प्रशासन द्वारा इसका संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाया जाता, तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। प्रशासन व आपदा प्रबंधन विभाग डैम टूटने से प्रभावित सभी गांवों एवं किसानों का तत्काल सर्वे कराकर नुकसान का आकलन किया जाए तथा पीड़ित किसानों को चिन्हित कर नियमानुसार समुचित मुआवजा एवं राहत उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि चुकी सिल्ली क्षेत्र कृषि प्रधान है और यहां किसानों की आजीविका मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है। ऐसे में फसलों की व्यापक क्षति किसानों के लिए गंभीर आर्थिक संकट बन गई है।

मुझे भी जीने का हक हैं अब और नहीं और नहीं, नारी शक्ति जिन्दाबाद



मुरी: दहेज पीड़ित महिला बडामुरी निवासी हलीमा खातुन उर्फ रूही अपने लिए इंसाफ की गुहार लगा रही हैं। अपनी व्यथा समाचार पत्र के माध्यम समाज व प्रशासन तक पहुंचाने की कोशिश करते हुए रूही अपना दर्द बयां करती है । वो कहती है कुछ सपने मैंने भी संजोये हैं। जिधर देखो दहेज के लोभी बैठे हुए हैं। वे कहती हैं समाज में बेटियों की स्थिति भी ठीक नहीं है। समाज में हम बेटियों को भी जीने का बराबर हक है।

बुढ़मू में चार दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

खेल अनुशासन व टीमवर्क की भावना विकसित करता है : देवेंद्रनाथ महतो



संवाददाता

मुरी: बुढ़मू प्रखंड के हेसलपीडी पंचायत अंतर्गत तुरमुली मैदान में आयोजित चार दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आज समापन हुआ। टूर्नामेंट का आयोजन डॉल्फिन्स एकेडमी फुटबॉल टूर्नामेंट कमेटी द्वारा किया गया था। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया और सभी टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट के दौरान तुरमुली, हेसलपीडी, शोबा, बेड़वारी, सुरीद सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं ग्रामीण मैदान में पहुंचे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो उपस्थित हुए। उन्होंने विजेता टीम युवा विकास क्लब, सिरांगो को आठ हजार की नगद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। वहीं, हेसलपीडी पंचायत के मुखिया कुसेंद्र पाहन एवं मांडर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गुना भगत ने संयुक्त रूप से उपविजेता टीम लकड़ा ब्रदर्स को पांच हजार की नगद पुरस्कार राशि देकर

प्रोत्साहित किया।

खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि फुटबॉल का मैदान युवाओं की टीमवर्क, अनुशासन और आपसी समन्वय की सीख देता है। आज की युवा पीढ़ी को ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया से बाहर निकलकर शारीरिक खेलों की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें उचित प्रशिक्षण एवं सरकार की नियोजन व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में पहल होनी चाहिए।

समापन समारोह में स्थानीय हेसलपीडी पंचायत के मुखिया कुसेंद्र पाहन, उपमुखिया सोनालाल महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मदन महतो, ठाकुरगांव थाना प्रभारी सुनील कुमार, रेहान अंसारी, पंचम एक्का, खुशबू कुमारी, विनोद महतो, नरेश महतो सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट के संयोजक विक्की कुमार महतो ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कुल चार टीमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं में खेल के प्रति उत्साह और प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह टूर्नामेंट प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाएगा।

दशहरा को लेकर सिल्ली थाना में शांति समिति की बैठक



मुरी: शनिवार को दशहरा को लेकर शांति समिति की बैठक सिल्ली थाना परिसर में संपन्न हुई। जहां मुरी ओपी प्रभारी विकास पासवान के साथ थाना प्रभारी सिल्ली नवीन कुमार ने पूजा समितियों, समाज के गणमान्य लोगों से अनुरोध किया कि आगामी दशहरे को शांति से संपन्न कराना है। इस कार्य के

लिए हम सभी को इसकी तैयारी में जुट जाना है। खासकर पूजा समितियों को निर्देश दिया गया कि पांडालों के पास स्वच्छता बनाए रखें, सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगवाएं, आगलगी की घटना से बचने का यंत्र अवश्य रखें, केवल भक्ति गाना ही बजे फिल्मी गाना न बजे, क्वाट्सएप पर गलत मैसेज ना डालें इससे माहौल बिगड़ सकता है, चोट लगने की स्थिति में प्राथमिक उपचार किट अवश्य रखें आदि। इसके अलावा प्रशासन ने यह भी स्पष्ट कर दिया की तेज गति से वाहन चलाने वालों एवं मनचलों पर पुलिस की विशेष ध्यान रहेगी। दोषी पाए जाने वाले या माहौल बिगाड़ने वाले और असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, किसी की पैरवी नहीं सुनी जाएगी। ओपी प्रभारी मुरी विकास कुमार पासवान ने कहा कि जहां कहीं भी वैसे लोग जो बिना मतलब का समूह बनाकर अड्डा जमाते हुए पाए जाएंगे उसे दंडित किया जाएगा। कार्य का संचालन मोहम्मद फारूक ने किया। इस मौके पर किशोर कुशवाहा , राजेश साहू , नागेंद्र नाथ गोस्वामी, कार्तिक चंद्र महतो, तुलसी महतो, गणेश महतो, शिशुपाल महतो, देवाशीष दत्ता समेत कई जनप्रतिनिधि, समाज के गणमान्य लोग, शांति समिति के लोग, पूजा समिति के लोग उपस्थित रहे।

संवाददाता

मदरसा चौक, बालसोकरा में रविवार को मदनी टूर एंड ट्रेवल एजेंसी जो एसोसिएट है मदनी ट्रेवल्स से आज नए कार्यालय का उद्घाटन उलेमा-ए-कराम की मौजूदगी और दुआ के साथ किया गया। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र के बड़ी संख्या में उलेमा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में उलेमा-ए-कराम ने एजेंसी की कामयाबी, तरक्की और यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दुआ की। इस मौके पर मदनी ट्रेवल एजेंसी के प्रोपराइटर मौलाना गाजी सलाहुद्दीन कासमी ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को हज और उमरा के लिए यात्रा संबंधी सुविधाओं के लिए दूर न जाना पड़े, इसी उद्देश्य से बलसोकरा में कार्यालय की शुरुआत की गई है।

उन्होंने बताया कि एजेंसी के

सीएचसी चंदवा में फायर सेफ्टी सिस्टम का प्रेशर शून्य, आग से बचाव की व्यवस्था पर उठे सवाल

विधायक प्रतिनिधि बीजे दुबे ने किया निरीक्षण, सिविल सर्जन से शिकायत कर तत्काल जांच व व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग

संजय कुमार यादव

चंदवा: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चंदवा में आग से बचाव के लिए लगाए गए फायर सेफ्टी सिस्टम के पानी का प्रेशर शून्य पाए जाने का मामला सामने आया है। अस्पताल परिसर में आग लगने की स्थिति में यह व्यवस्था कितनी कारगर होगी, इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद लातेहार विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि (स्वास्थ्य) बीजय दुबे ने सीएचसी पहुंचकर फायर सेफ्टी सिस्टम का जायजा लिया। बीजय दुबे ने बताया कि पेपर के माध्यम से उन्हें सीएचसी में फायर सेफ्टी सिस्टम के प्रेशर से संबंधित जानकारी मिली थी। इसके बाद उन्होंने तत्काल अस्पताल में



पहुंचकर चिकित्सा प्रभारी नीलिमा कुमारी से मामले की जानकारी ली। उनके साथ फायर सेफ्टी सिस्टम का निरीक्षण किया गया, जहां पानी का प्रेशर शून्य पाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से अस्पताल में मरीजों और कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फायर सेफ्टी का बड़ा प्रोजेक्ट लगाया गया है। ऐसे में यदि किसी आकस्मिक स्थिति में अस्पताल में

आग लगती है और सिस्टम में पानी का पर्याप्त दबाव नहीं रहता है, तो आग पर काबू पाने में परेशानी हो सकती है। दुबे के अनुसार, निरीक्षण के दौरान चिकित्सा प्रभारी से सिस्टम के संचालन और रखरखाव के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्हें पूरी जानकारी नहीं है और बीपीएम से जानकारी लेने की बात कही गई। इसके बाद बीपीएम से संपर्क करने पर उन्होंने भी सिस्टम के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं होने की बात कही। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर आग से बचाव की व्यवस्था का इस तरह निष्क्रिय या अपर्याप्त स्थिति में होना गंभीर विषय है। उन्होंने इस मामले में दूरभाष पर सिविल सर्जन, लातेहार से भी बात कर स्थिति से अवगत कराया।

22वीं झारखण्ड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता प्रारम्भ

विभिन्न जिलों के 350 खिलाड़ी एवं पदाधिकारी ले रहे हैं भाग



संचालन रजी अहमद ने किया।

उद्घाटन समारोह में कस्तूरबा

बालिका विद्यालय की छात्राओं ने

बैंड एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों एवं खिलाड़ियों का मन मोह लिया।

आज विभिन्न ताडुल वर्ग की स्पर्धा हुई जिसके परिणाम निम्नवत रहें

चांगक्वान (तृतीय सेट) बालिका वर्ग

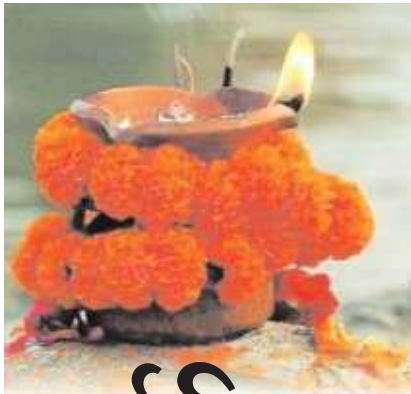
लक्ष्मी कुमारी, रांची - स्वर्ण जानवी कुमारी, रांची - रजत शिल्पी कुमारी, सिल्ली अकादमी - कांस्य

चांगक्वान, बालक वर्ग

आशीष कुमार,जेएसएसपीएस रांची- स्वर्ण,वरुण कुमार चौहान, चतरा -रजत,अभिराज कुमार मिश्रा, रांची- कांस्य नानक्वान,बालिका वर्ग महक कुमारी, रांची - स्वर्ण,भूमिका तिग्गा, रांची -रजत

मनीषा कुमारी, रांची- कांस्य **विंग चुन बालिका वर्ग** अर्पिता सिंह, रांची - स्वर्ण,सौम्या कुमारी, रांची - रजत, आरती कुमारी, रांची -कांस्य **ताईजीक्वान बालिका वर्ग** वंदना कुमारी, चतरा-स्वर्ण,आहाना सिंह - रजत प्रतियोगिता के अगले चरण में सांदा की विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कल अपराह्न प्रतियोगिता का होगा समापन: इसकी जानकारी देते हुये राज्य वुशु संघ के सचिव शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित खिलाड़ी चेन्नई में होनेवाले जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगे



सर्व पितृ

अमावस्या पर कब,
कितने और कहां
जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहां दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।



श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात् 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात् एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परीसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाए जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तुष्ट करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।



सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार अश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या के लिए पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करना बेहद शुभ माना जाता है। अब ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान
हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवनों में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान
सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जादूकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों का आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान
सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।



यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। हिन्दू धर्म के अनुसार कर्मों की गति के अनुसार व्यक्ति को दूसरी योनि मिलती है। यदि किसी को नहीं मिली है तो फिर वह प्रेत योनि में चला जाता है या यदि अच्छे कर्म किए हैं तो पितृलोक या देवलोक में कुछ काल रहने के बाद पुनः मनुष्य योनि में आता है। निश्चित ही है कि जिन्हें प्रेत योनि मिली है और जो पितृलोक चले गए हैं उनके लिए भी श्राद्ध कर्म किया जाता है, लेकिन जिन्होंने दूसरा जन्म ले लिया है क्या उन्हें भी श्राद्ध का फल मिलता है?

क्या पुनर्जन्म के बाद भी व्यक्ति को श्राद्ध लगता है?

प्रेत योनि : गति कई प्रकार की होती है। प्रेतयोनि में जाना एक दुर्गति है। पितरों का श्राद्ध करने वाले और उनका तर्पण करने वाले उनकी सद्गति के लिए सहयोग करते हैं। हमारे जो पूर्वज पितृलोक नहीं जा सके या जिन्हें दोबारा जन्म नहीं मिला ऐसी अतृप्त और आसक्त भाव में लिप्त आत्माओं के लिए 'गया' में मुक्ति-तृप्ति का कर्म तर्पण और पिंडदान किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है जहां से आत्मा प्रेत योनि से छूटकर मनुष्य योनि में जन्म ले लेती है या पितृलोक में पितरों के साथ निश्चित काल के लिए चली जाती है। पितृलोक के पितृ : मान्यता है कि पितृलोक में किसी आत्मा का पहुंचना बहुत ही सौभाग्य की बात होती है। वहां वह अपने सभी पूर्वजों से मिलकर सभी संतापों से मुक्त होकर रहता है और सुख भोगने के बाद एक निश्चित काल के बाद मनुष्य योनि धारण करता है। जब धरती पर

पितृपक्ष प्रारंभ होता है तब ऐसी ही हमारे पितृ अपने वंशजों को देखने के लिए धरती पर आते हैं और उनके द्वारा किए जा रहे श्राद्ध कर्म का भोग ग्रहण करके उन्हें आशीर्वाद देकर उनके दुखों को मिटा देते हैं। पुनर्जन्म लेने वाले पूर्वज : यजुर्वेद में कहा गया है कि शरीर छोड़ने के पश्चात्, जिन्होंने तप-ध्यान किया है वे ब्रह्मलोक चले जाते हैं अर्थात् ब्रह्मलोक हो जाते हैं। कुछ सतकर्म करने वाले भक्तजन स्वर्ग चले जाते हैं। स्वर्ग अर्थात् वे देव बन जाते हैं। राक्षसी कर्म करने वाले कुछ प्रेत योनि में अनंतकाल तक भटकते रहते हैं और कुछ पुनः धरती पर जन्म ले लेते हैं। जन्म लेने वालों में भी जरूरी नहीं कि वे मनुष्य योनि में ही जन्म लें। अतः ऐसे पूर्वजों को भी उनके वंशजों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म लगता है। दरअसल, शास्त्रों में कहा गया है कि हम अन्न-जल को अग्नि को दान करते हैं। अग्नि उक्त अन्न-जल को हमारे पितरों तक पहुंचाकर उन्हें

तृप्त करती है। श्राद्ध और तर्पण जिसके निमित्त किया गया उस तक जल और अग्नि के माध्यम से यह सुगंध रूप में पहुंचकर उन्हें तृप्त करता है। वास्तव में श्रद्धापूर्वक श्राद्ध में दिए गए भोजन का सूक्ष्म अंश परिणित होकर उसी अनुपात और मात्रा में प्राणी को मिलता है जिस योनि में वह प्राणी वर्तमान में है। इस संबंध में पुराणों में कई जगहों पर उल्लेख मिलता है कि उस जीवित प्राणी को भी श्राद्ध के भोग का अंश मिलता है जिससे कि उसका हृदय तृप्त हो जाता है। जल, अग्नि और वायु उसके अंश को पहुंचाने में माध्यम बनते हैं। यमलोक की यात्रा : आत्मा सत्रह दिन तक यात्रा करने के पश्चात अठारहवें दिन यमपुरी पहुंचती है। गरुड़ पुराण में यमपुरी के इस रास्ते में वैतरणी नदी का उल्लेख मिलता है। वैतरणी नदी विष्टा और रक्त से भरी हुई है। जिसने गाय को दान किया है वह इस वैतरणी नदी को आसानी से पार कर यमलोक पहुंच जाता है अन्यथा इस नदी में वे डूबते रहते हैं और यमदूत उन्हें निकालकर धक्का देते रहते हैं। यमपुरी पहुंचने के बाद आत्मा 'पुण्योदका' नामक एक और नदी के पास पहुंच जाती है जिसका जल स्वच्छ होता है और जिसमें कमल के फूल खिले रहते हैं। इसी नदी के किनारे छायादार बड़ का एक वृक्ष है, जहां आत्मा थोड़ी देर विश्राम करती है। यहीं पर उस उसके पुत्रों या परिजनों द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण का भोजन मिलता है जिससे उसमें पुनः शक्ति का संचार हो जाता है।

ग्राम सभाओं ने बाल विवाह के खात्मे का लिया प्रण, संगठन मंथन ने किया स्वागत

गांव को 'बाल विवाह-मुक्त' घोषित करने का रखा प्रस्ताव

संवाददाता

साहिबगंज : में बाल विवाह के उन्मूलन के लिए जमीनी अभियान चला रहे मंथन ने केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की इस ऐतिहासिक पहल का स्वागत किया है। जिसके तहत गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में विशेष ग्राम सभाएं एक ऐसे संकल्प की साक्षी बनीं, जो आने वाले समय में लाखों बच्चों की किस्मत बदल सकता है। भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर निर्देश दिया था कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प लिया जाए। संगठन ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन का यह कदम बाल विवाह को खत्म करने के अभियान को और गति देने का काम करेगा। संगठन ने कहा कि इसके लिए हम सरकार और जिला प्रशासन के साथ मिलकर पहले से और अधिक



उत्साह के साथ काम करेंगे। संगठन मंथन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी का सहयोगी संगठन है। जेआरसी बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करने वाले नागरिक समाज संगठनों का भारत का सबसे बड़ा नेटवर्क है। भारत में जेआरसी अपने 300 से ज्यादा सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकार और प्रसाशन के साथ मिल कर काम कर रहा है। केंद्र सरकार के निर्देश पर गांधी जयंती के अवसर पर 2.42 लाख से अधिक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर गांव को 'बाल

विवाह-मुक्त' घोषित करने का प्रस्ताव रखा और खात्मे का संकल्प लिया गया। इन ग्राम सभाओं में स्थानीय निवासियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक और सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य बाल विवाह मुक्त गांवों की दिशा में आगे बढ़ना है। मंथन के निदेशक बिपलब महतो ने कहा कि भारत सरकार, विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय ने देश भर में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रत्येक गांव से बाल विवाह के खात्मे के लिए जो

मुहिम चलाई उसका स्वागत है। जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी भी इसके लिए जो कदम उठा रहे हैं वो भी सराहनीय है। सरकार और जिला प्रशासन के इस कदम से 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य हासिल करने को नई गति मिलेगी। जब पूरा गांव और समाज एकजुट होकर इसके खिलाफ खड़ा होगा, तब बढलाव ज्यादा तेजी से आएगा।इससे हर बेटी अपना बचपन और अपने सपने जी सकेगी, जिसका अधिकार उसे भारत का कानून भी देता है। जेआरसी ने अपने सहयोगी नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी से एक देशव्यापी जमीनी मुहिम शुरू की थी। जिसका लक्ष्य एक पौड़ी के भीतर बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना है। इसे 2024 में भारत सरकार के द्वाबाल विवाह मुक्त भारत अभियान से और व्यापकता मिली। इसका परिणाम भी आने लगा है और तय लक्ष्य से पहले ही बाल विवाह मुक्त भारत का सपना साकर हो जाएगा।

समाज की सुरक्षा और शांति–व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस 24 घंटे तैयार : थाना प्रभारी

प्रेस क्लब के सदस्यों ने बरहरवा के नए थाना प्रभारी से की शिष्टाचार मुलाकात

संवाददाता

बरहरवा : शनिवार को बरहरवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद के नेतृत्व में प्रेस क्लब के सदस्यों ने बरहरवा थाना के नए थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रेस क्लब की ओर से उन्हें भारत के प्रतीक अशोक स्तम्भ की तस्वीर भेंट करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।वहीं शहर के विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विशेष चर्चा की गई।जिसमें मुख्य रूप से बीते दिनों शहर में हुए बंद घरों से बीते चोरी की घटनाओं और आय दिन बाजार में लगने वाले घंटो जाम और शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों चोरी छिपे ब्राँउन शुगर की बिक्री को लेकर जानकारी साझा की गई,थाना प्रभारी श्री यादव ने आश्वासन देते हुए कहा कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और इस प्रकार की घटनाओं से



निपटने के लिए गश्ती दल को और विशेष रूप से दुरुस्त किया जाएगा।और चप्पे चप्पे पर गश्ती और मोबाइल पेट्रोलिंग के माध्यम से नजर रखी जाएगी, वहीं असमाजिक तत्वों को भी चिन्हित किया जाएगा। **24 घंटे से अधिक घर छोड़कर कर जाने पर पुलिस को दें सूचना:** थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बंद घरों में होने वाले

चोरियों से निपटने के लिए एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से अगर 24 घण्टे से अधिक घर छोड़कर किसी भी कार्य से बाहर जाते है तो पुलिस को इसकी जानकारी अवश्य दें ,ताकि घटना को घटित होने से पहले एक सुरक्षित कदम उठाया जा सके,और सम्बंधित क्षेत्र में चौकीदारों और गश्ती के माध्यम से सुरक्षा देने का प्रयास किया जा सके। पुलिस समाज की सुरक्षा के किये 24 घंटे तैयार

है।वहीं उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की घटना,दुर्घटना या मदद के लिए 100 नम्बर पर डायल करे या थाना प्रभारी बरहरवा से मोबाइल नंबर 7992474622 पर सम्पर्क कर सकते है। मौके पर प्रेस क्लब के सदस्य देवजीत कुशवाहा,सन्नी कु,भगत,भक्ति पाण्डे,अमन कुमार,संतोष तिवारी,संभु कुमार, मुख्तार आलम,मो.सिराज शेख,बैदुल आलम उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता

बालक– बालिका अंडर 17 प्रतियोगिता में जिले के एथलीटों का शानदार प्रदर्शन शुरू

पहले दिन जिले के एथलीटों ने जीता 01 स्वर्ण,02 रजत एवं 02 कांस्य

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना,परिषद, रांची द्वारा 03-04 अक्टूबर को बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, रांची में झारखंड राज्य स्तरीय खेलो झारखंड बालक एवं बालिका अंडर 17 वर्ष प्रतियोगिता के लिए जिले से 29 सदस्यीय एथ्लेटिक्स टीम रांची में जिला शिक्षा परियोजना साहिबगंज के अधिनस्थ भाग ले रही है। जिसमें पहले दिन जिले के एथलीटों ने 01 स्वर्ण,05 रजत एवं 02 कांस्य पदक समेत 06 पदक जीता।

बालक अंडर 17 वर्ष

सानू कुमार डिसकस श्रो स्वर्ण पदक ,संतोष मुर्मु – ट्रिपल जंप रजत पदक ,जमादार केरई – ऊंची कूद – रजत पदक सन्नी राज शॉटपुट – कांस्य पदक जीता है। बालिका अंडर 17 वर्ष

माही कुमारी ट्रिपल जंप कांस्य पदक ,वही इस प्रतियोगिता में निम्नवत 29 खिलाड़ी भाग ले रहे है।



बालक

परम हांसदा -100 मीटर,4*400 मीटर ,आयुष कुमार -200 मीटर, 4*100 मीटर ,कुष्णा कुमार – 400 मी.,4400मी., अमित कुमार-800 मी.,3000मी.

पिंटू कुम्हार-1500 मी.,जमशेदअंसारी -5000 मी. वॉक ,संतोष मुर्मु – लंबीकूद, त्रिकूद ,जमादार केरई – ऊंची कूद,सन्नी कुमार – शॉटपुट ,सानू कुमार– डिसकस ,पृथ्वी राज मंडल– जेवलिन,सामू मरांडी – 110मी.,4*400 मी.,अश्विन नागद्वार -4* 400 मी.

बालिका वर्ग

रोशनी कुमारी -100मी.,रोशनी कुमारी-लंबी कूद

अनन्या कुमारी -ऊंची कूदसाक्षी शर्मा, मीनाक्षी, नंदनी कुमारी – रिले

डीसीएमएसओई, सकरीगली सरस्वती कुमारी-200 मी.,माहि कुमारी – त्रिकूद

लक्खी कुमारी-डिसकस,मी. सभी +2राजस्थान इंटर विद्यालय,

मुमित्रा कुमारी – 400 मी कस्तूरबा तालझारी,खुशी मंडल-800 मी,1500 मी, रिले

उच्च विद्यालय राधानगर ,पलक प्रिया -3000 मी. यमुनादास चौधरी उच्च विद्यालय, अनोखी कुमारी- 3000 मीटर पैदल चाल, डीसीएमएसओई, पोखरिया, काजल कुमारी- जेवलिन यू एच एस पांगड़ी

ईसा कुमारी -शॉटपुट एमएस राय बना लक्ष्मी कुमारी -100 मी.हर्डेल्स उच्च विद्यालय पुरानी साहिबगंज वही

प्रशिक्षक योगेश यादव, आएप्र केंद्र, साहिबगंज मैनेजर राकेश कुमार राका राजस्थान इंटर विद्यालय विरेंद्र कुमार साह उच्च विद्यालय ,कोदरजन्ना,अन्ना मेरी सोरेन कस्तूरबा वीरियो लूसी किस्कू – कस्तूरबा तालझारी दैथलेटिक्स टीम को उपयुक्त दीपक कुमार दूबे, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिला खिला प्रदाधिकारी नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, एपीओ शबनम तबस्सुम समेत जिले वासियों ने शुभकामनाएं दी।

न्यूज
IN
बीफ

दो दिवसीय 10वीं जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का समापन

गिरिडीह : गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के तद्भावधान में दो दिवसीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन श्याम भवन में किया गया । जिसमें उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला ,विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता कुमारी,गिरिडीह जिला योगासन स्पोर्ट संघ के मुख्य संरक्षक राजेश जलान,भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह,मोंगिया स्कूल के निदेशक सनी शर्मा, और श्री गुरुनानक विद्यालय के सचिव कुंवरजीत सिंह दुआ उपस्थित हुए । प्रतियोगिता का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों के चेस्ट गार्ड पर पांच मारकर किया गया।उसके बाद जिले के खिलाड़ियों एवं पदाधिकारी द्वारा सभी अतिथियों को बुके और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी मेयर सुमित कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में दिलीप रजक और मिथुन राज उपस्थित रहे और अभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र दे कर आसम्मानित किये। जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला ने कहा कि ताइक्वांडो आज के समय में बहुत ही लोकप्रिय खेल है चुकी ये खेल ओलिंपिक में शामिल है इसलिए खिलाड़ियों के लिए इस खेल में भी सुनहरा भविष्य है। वहीं प्रोफेसर विनीता कुमारी ने कहा कि ताइक्वांडो आज के समय में सभी लड़कियों को सीखना चाहिए ताकि वो अपनी सुरक्षा कर सके।

आईआईटी-आईएसएम ने फ्रांस की कंपनी के साथ किया करार, प्राकृतिक हाइड्रोजन पर होगा शोध

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी पहल की है । संस्थान ने एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और फ्रांस की हायरवील कंपनी के साथ जियोलॉजिक हाइड्रोजन पर शोध के लिए त्रिपक्षीय समझौता (एमओयू) किया है । यह करार दो साल के लिए किया गया है । इसके तहत जमीन के अंदर प्राकृतिक रूप से बनने वाले हाइड्रोजन की क्षमता का आकलन और उसके उत्पादन को बढ़ाने के लिए कैटेलिस्ट विकसित करने पर काम होगा। समझौता समारोह में आईआईटी (आईएसएम) के उप निदेशक प्रो. शरत कुमार दास, एसीएमई के सलाहकार पद्मश्री डॉ. रबी वास्तिना सहित कई विभागों के अध्यक्ष मौजूद रहे ।

एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल विद्यार्थियों ने कॉलेज अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रभारी प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन



साहिबगंज :बीएसके, महाविद्यालय बरहरवा में यूजी सेमेस्टर-7 सत्र 2022-26 की नामांकन प्रक्रिया में लगातार उत्पन्न हो रही तकनीकी समस्याओं के समाधान व नामांकन की निर्धारित तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर शनिवार को एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल विद्यार्थियों ने कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर के नेतृत्व में प्रभारी प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि महाविद्यालय द्वारा 29 सितंबर 2026 को जारी सूचना के अनुसार यूजी सेमेस्टर-7 सत्र 2022-26 की नामांकन प्रक्रिया 28 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित होनी है। लेकिन 29 सितंबर से ही नामांकन पोर्टल पर विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, पमेंट प्रक्रिया में भी गंभीर तकनीकी समस्या सामने आ रही है। विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने के बाद पमेंट के लिए और कोडजनेरेट होने और भुगतान सफल होने का संदेश दिखाई देने लगा, जबकि उस समय विद्यार्थियों के खाते से नामांकन शुल्क जमा करने की सुविधा ही शुरू नहीं हुई थी।इसके बाद जब दो दिन पश्चात भुगतान की सुविधा शुरू की गई, तो कई विद्यार्थियों को शुल्क जमा करने की अनुमति नहीं दी जा रही है और प्रदर्शित हो रहा है। जबकि संबंधित विद्यार्थियों द्वारा किसी प्रकार का नामांकन शुल्क जमा नहीं किया गया है। दोबारा भुगतान करने का प्रयास करने पर भी यही समस्या सामने आ रही है। जबकि यह भी बताया गया कि नए विद्यार्थी द्वारा नामांकन पोर्टल पर पूरी जानकारी भरने के बाद नामांकन शुल्क सफलता पूर्वक जमा हो जाने के बावजूद पुनः नामांकन शुल्क जमा करने का दिखाई दे रहा है। साथ ही भुगतान के बाद भी उपलब्ध नहीं हो रही है। इससे विद्यार्थियों के बीच यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि उनका भुगतान एवं नामांकन वास्तव में

सफल हुआ है या नहीं। एनएसयूआई ने कहा कि इन तकनीकी समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं असमंजस एवं परेशानी की स्थिति में हैं। विद्यार्थियों का भविष्य एवं उनका नामांकन प्रभावित न हो, इसके लिए मामले का तत्काल समाधान आवश्यक है।एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने प्रभारी प्राचार्य से मांग की कि उक्त सभी तकनीकी समस्याओं का अधिकतम 24 घंटे के भीतर समाधान कराया जाए तथा विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करने के लिए नामांकन की निर्धारित तिथि को विस्तारित किया जाए। जिसमें स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर तकनीकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है और तकनीकी कारणों से कोई विद्यार्थी नामांकन से वंचित होता है, तो एनएसयूआई विद्यार्थियों के हित एवं अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं छात्रहित में आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय प्रशासन की होगी। महाविद्यालय प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।वही प्रभारी प्रचार कविता मंडल ने बताया कि इस तकनीकी समस्या को लेकर महाविद्यालय प्रशासन गंभीर है।

दूरभाष के माध्यम से तकनीकी टीम से वार्ता किए हैं। जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि नामांकन की निर्धारित तिथि को विस्तारित करने से नामांकन से वंचित हो चुकी सभी विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में जल्द ही सकारात्मक पहल की जाएगी।इस अवसर पर कॉलेज सचिव वसीम अकरम, एनएसयूआई सदस्य रमजान शेख, अनिकेत कर्मकार, उज्जवल कुमार यादव, महजुरा खानून, रिंतु कुमारी सहित विद्यार्थी अनिमेष मंडल, आफताब आलम, सिंटू कुमार साह, बुलटी कुमारी, राधा कुमारी समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।



एशियाई खेल 2026 : भारत ने लिखी नई इबारत, 15 अभूतपूर्व उपलब्धियां और 83 नए पदकवीरों का उदय

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 भारत के लिए सिर्फ पदकों की संख्या बढ़ाने वाला अभियान नहीं रहा बल्कि कई खेलों और स्पर्धाओं में नए इतिहास लिखने वाला संस्करण भी साबित हुआ। उपलब्धियों की सूची पर नजर डालें तो भारत ने कम-से-कम 15 ऐसी उपलब्धियां दर्ज की हैं, जिन्हें पहली बार या ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई खिलाड़ियों ने लंबे अंतराल के बाद देश को पदक दिलाया, पुराने रिकॉर्ड में सुधार किया और कई नए खिलाड़ियों ने पदार्पण करते हुए पदक जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

आधिकारिक उपलब्धि तालिका के अनुसार, भारत के 310 पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों में से 83 ने पदक जीते। इनमें 43 महिलाएं और 40 पुरुष शामिल हैं। यानी लगभग 26.77 प्रतिशत पदार्पण करने वाले भारतीय खिलाड़ी एशियाई खेलों में पदक जीतने में सफल रहे। पदार्पण करने वाले पदक विजेताओं ने कुल 41 पदक जीते, जिनमें 14 स्वर्ण, 12 रजत और 15 कांस्य शामिल हैं।

शूटिंग में पहली बार स्वर्ण, तीरंदाजी में ऐतिहासिक कामयाबी

शूटिंग में कमलजीत और सुरूची इंदर सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह इस स्पर्धा में

भारत का पहला एशियाई खेल स्वर्ण रहा।

स्वदेश में अनाहत सिंह ने महिला एकल में रजत पदक जीता। वह एशियाई खेलों में महिला एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं और भारत को इस स्पर्धा में पहला महिला एकल रजत पदक दिलाया।

युशु में नाओरेम रोशिबिना देवी ने 60 किग्रा महिला सांडा में रजत पदक जीतकर लगातार तीन एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की।

शूटिंग में कायमान चेनाई और नीरू ने ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता। यह एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण था। दोनों ने 40 में से 34 निशाने लगाकर नया एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया।

तीरंदाजी में अंकिता भक्त, कुमकुम अनिल मोहोद और कीर्ति ने महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह इस स्पर्धा में एशियाई खेलों में भारत का पहला स्वर्ण था। वहीं धीरज बोम्मदेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद ने रिकर्व मिश्रित टीम में रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा में भारत का पहला रजत था।

मीराबाई से हॉकी तक, पुराने इंतजार भी खत्म

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां केवल पहली बार

एमएएम से सॉफ्ट टेनिस तक पहली बार भारत की दस्तक

भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों की शुरुआत उन खेलों से हुई, जहां इससे पहले एशियाई खेलों में देश का पदक खाता नहीं खुला था। सुचिका तारियाल ने महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग में पदक जीतकर एमएएम में भारत का पहला एशियाई खेल पदक हासिल किया। वहीं, जय मीणा ने पुरुष एकल में कांस्य पदक जीतकर सॉफ्ट टेनिस में भारत को पहला एशियाई खेल पदक दिलाया। शूटिंग में भी दो स्पर्धाओं में भारत ने पहली बार पदक जीते। महेश्वरी चोहान, परिनाज धालीवाल और राइजा दिल्ली ने महिला स्कीट टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि परिनाज धालीवाल और अनंतजीत सिंह नरुका ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य अपने नाम किया। दोनों उपलब्धियां इन स्पर्धाओं में भारत के पहले एशियाई खेल पदक के रूप में दर्ज हुईं।

रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स में कांस्य जीतकर इस स्पर्धा में भारत को पहला एशियाई खेल पदक दिलाया। एथलेटिक्स में बारानिका एलंगोवन ने महिला पोल वॉल्ट में कांस्य जीतकर इस स्पर्धा में भारत का पहला एशियाई खेल पदक हासिल किया।



पदक जीतने तक सीमित नहीं रही। मीराबाई चानू ने महिला 49 किग्रा भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर अपने करियर का पहला एशियाई खेल पदक हासिल किया और भारत के 28 साल लंबे भारोत्तोलन पदक सूखे को समाप्त किया।

सावन बरवाल के नाम भी पुरुष मैराथन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। तालिका के अनुसार यह 1982 के बाद भारत का पुरुष मैराथन में पहला

एशियाई खेल पदक और देश के बाहर इस स्पर्धा में पहला ऐसा पदक था।

क्रिकेट में शेफाली वर्मा ने महिला टी20 में शतक लगाया। तालिका इसे एशियाई खेलों में किसी भारतीय महिला का पहला शतक और महिला क्रिकेट के एशियाई खेल इतिहास का पहला शतक बताती है। स्मृति मंधाना ने भी 11,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाली पहली महिला

कई पदार्पण खिलाड़ियों ने एक से अधिक पदक भी जीते

पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों की व्यक्तिगत सूची यह भी दिखाती है कि कुछ खिलाड़ियों ने अपने पहले ही एशियाई खेल में एक से अधिक पदक जीते। एथलेटिक्स में विशाल थेनारासु कायलविट्टी और मनु थेंकिनालिल साजी ने मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत और पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले में कांस्य हासिल किया। यशवीर सिंह ने पुरुष भाला फेंक में पदक जीता, जबकि सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन में पदक हासिल किया।

महिला एथलेटिक्स में किरण फेल ने चार गुणा 400 मीटर महिला रिले में स्वर्ण और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत जीता। बारानिका एलंगोवन ने महिला पोल वॉल्ट में पदक हासिल किया।

बैडमिंटन में आयुष शेठ्टी, थारुन मनमक्ली और हरहरन अम्साकरुणन पुरुष टीम के पदक अभियान का हिस्सा रहे। क्रिकेट में प्रतीका रावल, भारती फुलमाली, जी. कमालिनी, श्री चरण, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, रेंगुका ठाकुर और अन्य पदार्पण खिलाड़ियों ने महिला टीम के स्वर्ण में योगदान दिया कबड्डी में भी पदार्पण खिलाड़ियों की बड़ी संख्या ने पदक जीते। महिला और पुरुष दोनों टीमों के कई खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में उतरकर स्वर्ण पदक जीतने वाली टीमों का हिस्सा बने। निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती और स्वदेश में भी कई पदार्पण खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक हासिल किए।

मुक्केबाजी और नौकायन में भी नए अध्याय : मुक्केबाजी में लवलीना बोरागोहेन ने महिला 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इस भार वर्ग में एशियाई खेलों का भारत का पहला स्वर्ण हासिल किया। नौकायन में नेत्रा कुमारन ने महिला डिगी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह इस स्पर्धा में भारत का पहला एशियाई खेल पदक था। सेपकटकरों में भारतीय टीम ने पुरुष क्वाड्रेंट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह एशियाई खेलों में पुरुष क्वाड्रेंट स्पर्धा में भारत का पहला पदक था। इस तरह पहली बार पदक जीतने वाले खेलों और स्पर्धाओं की सूची में एमएएम, सॉफ्ट टेनिस, शूटिंग की कई स्पर्धाएं, रोइंग, पोल वॉल्ट, स्वदेश, तीरंदाजी, मुक्केबाजी, नौकायन और सेपकटकरों शामिल रहे।

क्रिकेटर बनने की उपलब्धि दर्ज की। टेबल टेनिस में मनुष शाह और दिया चितले ने मिश्रित युगल में कांस्य जीता। यह एशियाई खेलों के इतिहास में भारत का टेबल टेनिस में चौथा और मिश्रित युगल में दूसरा पदक था।

कुश्ती में लगातार सफलता

कुश्ती में सुनील कुमार ने 87 किग्रा ग्रीको-रोमन में कांस्य पदक जीतकर एशियाई खेलों में लगातार

दो संस्करणों में पोटियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवान की उपलब्धि हासिल की।

नितेश कुमार ने 97 किग्रा ग्रीको-रोमन में रजत जीतकर एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाले और रजत जीतने वाले भारत के इतिहास के केवल दूसरे ग्रीको-रोमन पहलवान बनने की उपलब्धि हासिल की। तालिका में उनके प्रदर्शन को 1962 के

रजत पदक विजेता मारुति माने के 64 साल बाद की उपलब्धि के रूप में दर्ज किया गया है।

सुजीत कलकल ने पुरुष 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में स्वर्ण जीतकर इस भार वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले भारत के तीसरे पहलवान बनने का रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले योगेश्वर दत्त ने 2014 और बजरंग पुनिया ने 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुक्केबाजी में परवीन ने महिला 65 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीतकर एशियाई खेलों के इतिहास में स्वर्ण जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बनने की उपलब्धि हासिल की।

44 साल बाद महिला हॉकी में स्वर्ण

भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी ऐतिहासिक वापसी की। टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया। इससे पहले भारत ने महिला हॉकी में आखिरी बार 1982 के एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता था।

बॉक्सिंग में भारत के अभियान को भी तालिका ने सबसे सफल अभियानों में शामिल किया है। एशियाई खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने कुल छह पदक-तीन स्वर्ण और तीन कांस्य जीते। तालिका के अनुसार स्वर्ण पदकों के लिहाज से यह भारत का मुक्केबाजी में सबसे सफल एशियाई खेल अभियान रहा, जिसने 2010 के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा, जब भारत ने दो स्वर्ण, तीन

रजत और चार कांस्य सहित कुल नौ पदक जीते थे।

पदार्पण करने वालों ने भी छोड़ी मजबूत छाप

एशियाई खेल 2026 में भारत के 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में उतरे। इनमें से 83 खिलाड़ी पदक जीतने में सफल रहे। इनमें 43 महिलाएं और 40 पुरुष हैं। इन पदार्पण करने वाले पदक विजेताओं ने कुल 41 पदक जीते- 14 स्वर्ण, 12 रजत और 15 कांस्य।

खेलवार आंकड़ों में कबड्डी के 15 पदार्पण खिलाड़ियों में सभी 15 पदक विजेता रहे और उन्होंने दो स्वर्ण पदक जीते। एथलेटिक्स में 51 पदार्पण खिलाड़ियों में 14 ने पदक जीते और उनके खाते में एक स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य सहित 10 पदक रहे।

शूटिंग में 17 पदार्पण खिलाड़ियों में 13 ने पदक जीते। उन्होंने तीन स्वर्ण, छह रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक हासिल किए। क्रिकेट में 20 पदार्पण खिलाड़ियों में 10 पदक विजेता रहे और उन्होंने एक स्वर्ण पदक जीता। तीरंदाजी में नौ पदार्पण खिलाड़ियों में सभी नौ पदक विजेता बने। उनके खाते में चार स्वर्ण और दो रजत सहित छह पदक रहे। मुक्केबाजी में छह पदार्पण खिलाड़ियों में दो ने पदक जीते और उनके खाते में एक स्वर्ण और दो कांस्य सहित दो पदक दर्ज हैं।



ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी

अभिनेत्री आशा नेगी वेब सीरीज ‘अली बाबा और 40 भूत’ में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस समय वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का लुफ्त उठा रही हैं। बातचीत में अभिनेत्री ने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पर्दे पर लौटने का मौका देता है। अभिनेत्री ने कहा, ‘मैं एक एक्टर हूं और बस एक्टिंग करना चाहती हूं। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूं, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिल्महाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूं और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूं क्योंकि यह एक-दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप फ्री हो जाते हो।’ अभिनेत्री ने बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद आप अपनी जिंदगी को भी अच्छे से जी पाते हैं। उन्होंने कहा, ‘फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।’ आशा नेगी ने बताया कि उन्हें नए-नए किरदारों को एक्सप्लोर करने की ये प्रोसेस पसंद आ रही है। इस सीरीज में आशा नेगी ने ‘अलीशा निगम’ नाम की एक गोस्ट हंटर का किरदार निभाया है, जो अपने लापता पुरातत्वविद पिता को ढूंढने अपने होमटाउन जाती है।



बोलीं- बहुत नर्वस थी

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने अपने शुरुआती फिल्मी दिनों को याद करते हुए मशहूर एक्टर जैकी श्रॉफ के साथ काम करने का अनुभव शेयर किया। करिश्मा ने बताया कि उन्होंने जैकी श्रॉफ के साथ 1992 में आई फिल्म ‘पुलिस ऑफिसर’ में काम किया था। यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी और उस वक़्त वह सिर्फ 17 साल की थीं। फिल्म में एक बड़ा डांस नंबर था, जिसको लेकर

ब्रह्मांड के रहस्यों पर अमिताभ बच्चन बोल

● **कहा-सब कुछ भगवान की कृपा पर**

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर सोशल मीडिया के जरिए जीवन के बड़े सवालों पर विचार करते रहते हैं। उन्होंने ब्रह्मांड के रहस्यों, विज्ञान की सीमाओं और आस्था के महत्व पर अपनी राय साझा की। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में जीवन के प्रति सवालों पर राय साझा करते हुए लिखा, ‘तारे

तो चलते हैं लेकिन उनकी खोज हम सबसे दूर ही रहती है...अंतरिक्ष, आकाशगंगा और ब्लैक होल का कोई पक्का जवाब नहीं है। वो आज भी एक आकर्षण बने हुए हैं लेकिन हमसे दशकों दूर हैं और जब उनके अस्तित्व को समझने या बताने की कोशिश की जाती है, तो कोई पक्का जवाब नहीं मिलता।’ उन्होंने लिखा, ‘सब कुछ भगवान की कृपा पर छोड़ा जाता है या कुछ ऐसी ताकतों पर जो इसे बनाती है। शायद ऐसे तरीके से जो किसी को पता नहीं, तो अगर ये सबको पता ही नहीं होना था, तो इसे बनाया ही क्यों गया और

इतनी खूबसूरती से बनाया गया। इसका अंदरूनी और बाहरी रूप हमेशा से सबसे बड़ा रहस्य बना हुआ है और जब भगवान के बारे में बताया जाता है, तो लाखों लोग अपने सारे दुख भूलकर बच्चों को इसके मूल्यों के

उन्होंने लिखा, ‘नहीं तो ये काम कैसे करेगी लेकिन इसके जवाब में कहा जाता है कि आस्था और प्रार्थना से जो सुकून और जवाब मिलते हैं, वो मशीनों और आविष्कारों की दुनिया में नहीं मिल सकते और बहुत सी ऐसी बातें हैं जिनका कोई जवाब नहीं है, इसलिए उन्हें जल्दी से भगवान से जोड़ दिया जाता है।’

बारे में सिखाते हैं और इस तरह आस्था और भी बढ़ती जाती है।’ मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बताया कि उन्होंने कहीं पढ़ा था कि ‘आस्था को भी वैज्ञानिक सबूत की जरूरत होती है’।



17 साल की उम्र में जैकी श्रॉफ के साथ काम करने से डर गई थीं करिश्मा

बोलीं- बहुत नर्वस थी

वह काफी नर्वस भी थीं। दरअसल, ‘इंडियन बेस्ट डॉसर’ सीजन 5 में जैकी श्रॉफ बतौर गेस्ट शामिल हुए। इस दौरान शो की जज करिश्मा ने उनके साथ काम के अनुभव को याद करते हुए कहा, ‘‘मुझे नहीं पता जग्गू दादा, आपको याद है या नहीं, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि मैंने आपके साथ एक फिल्म की थी, जिसका नाम ‘पुलिस ऑफिसर’ था। यह मेरी शुरुआती फिल्मों में से एक थी। बहुत पहले की बात है, तब मैं सिर्फ 17 साल की थी। यह ‘प्रेम कैदी’ के बाद की बात है।’’ करिश्मा ने आगे उस फिल्म के एक गाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ‘‘उसमें एक गाना था ‘देखो ये लड़की कंठ मारती है’ . . . यह बहुत बड़ा गाना था, जिसमें काफी सारे डांसर्स थे। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने इतने सारे डांसर्स और किसी बड़े स्टार के साथ काम किया था। इसलिए मैं काफी डरी हुई और नर्वस भी थी।’’ करिश्मा ने आगे कहा, ‘‘जैकी श्रॉफ के साथ काम करने को मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात बताया। आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा।’’ वहीं जैकी श्रॉफ ने भी करिश्मा

कपूर की जमकर तारीफ की। उन्होंने करिश्मा को शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह एक मल्टीटैलेंटेड कलाकार हैं और कुछ भी कर सकती हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, ‘‘एक शानदार और प्यारी महिला के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है। वह मल्टीटैलेंटेड हैं और कुछ भी कर सकती हैं। वह ऐसे परिवार से आती हैं, जो हमारी इंडस्ट्री का एक मजबूत हिस्सा रहा है। मुझे आपके परिवार और आप पर बहुत गर्व है। मुझे प्यार देने और पसंद करने के लिए शुक्रिया।’’ करिश्मा कपूर और जैकी श्रॉफ ने 1992 में रिलीज हुई फिल्म ‘पुलिस ऑफिसर’ में साथ काम किया था। फिल्म का डायरेक्शन अशोक गायकवाड़ ने किया था। इसमें अरुणा ईरानी और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म की कहानी जय नाम के एक ईमानदार और मेहनती पुलिस ऑफिसर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी हत्या कर दी जाती है। इसके बाद किशन नाम का एक ठग उसकी जगह लेता है और अपने भाई की मौत का बदला लेने का फैसला करता है।

इसे सुनते ही डांस करने का मन करता है

एक्ट्रेस हेली शाह इन दिनों अपने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। ओटीटी शो ‘चुंबक’ में कॉमेडी रोल में नजर आने के बाद अब हेली शाह का एक बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। वह फेस्टिव सीन ‘गलगोटो’ में नजर आ रही हैं, जिसे नवरात्र सेंसिब्रेशन से पहले रिलीज किया गया है।

गाने में हेली शाह और देवीर्ष शाह की जोड़ी दिखाई दे रही है, जबकि इसे मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहित अय्यंकर ने अपनी आवाज दी है। ‘गलगोटो’ को लेकर हेली शाह भी काफी एक्साइटेट हैं। एक्ट्रेस ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, ‘‘इसे सुनते ही

किसी का भी उत्तरक डांस करने का मन करने लगता है। इस गाने की शूटिंग का पूरा एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से भरा हुआ था। मैं चाहती हूँ कि लोग इस गाने के साथ नवरात्र सेंसिब्रेट करें और इसे खूब एंजॉय करें।’’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘गाने का म्यूजिक वीडियो भी फेस्टिव फील देता है। इसमें तेज बीट्स, एनर्जेटिक म्यूजिक और कलरफुल विजुअल ट्रीटमेंट का इस्तेमाल किया गया है। नवरात्र के दौरान राबबा और डांस के माहौल को देखते हुए गाने की पूरी फील को काफी जबरन वाला खा गया है।’’ ‘गलगोटो’ को मोनाली ठाकुर, पार्थ ओजा और सुहित अय्यंकर ने गाया है।

हेली शाहकानवरात्र स्पेशलसॉन्ग‘गलगोटो’रिलीज

गाने को सुहित अय्यंकर ने कंपोज किया है, जबकि इसके लिरिक्स जय तन्ना ने लिखे हैं। पीपुष शंकर ने गाने को प्रोड्यूस किया है। तीन अलग-अलग आवाजों के साथ तैयार किया गया यह ट्रैक म्यूजिक और एनर्जी के मामले में काफी अलग है। सिंगर मोनाली ठाकुर ने भी ‘गलगोटो’ को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।



नेपाल में तेजी से फैल रहा स्क्रब टाइफस

इस साल अब तक 9,872 संक्रमित, 22 की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के इनर मधेश के जिलों की दहला चुका स्क्रब टाइफस देशभर में फैल गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 से शनिवार तक नेपाल में 9,872 लोग स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाए गए हैं। महामारी विज्ञान एवं रोग नियंत्रण महाशाखा के रोग निगरानी एवं अनुसंधान शाखा के प्रमुख हेमराज पाण्डे के अनुसार, डोल्पा, मनांग और मुगु को छोड़कर 74 जिलों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इस अवधि में स्क्रब टाइफस से 22 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, इन सभी मौतों की वजह स्क्रब टाइफस ही था या नहीं, इसकी पुष्टि अभी बाकी है और जांच जारी है। स्क्रब टाइफस से सबसे ज्यादा प्रभावित सल्यान जिले के दामा पहुंचे पाण्डे ने बताया कि खेती के मौसम में किलनी (माइट) सक्रिय हो जाती हैं और चिंगास माइट के लार्वा की संख्या बढ़ जाती है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

गौरव गोगोई की चुनावी सभा में एआईयूडीएफ जिंदाबाद के नारे

एजेंसी

गुवाहाटी। नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई की चुनावी सभा में एआईयूडीएफ के समर्थन में नारे लगाए जाने का मामला सामने आया है। सभा के दौरान कथित रूप से ह्वाहएआईयूडीएफ जिंदाबादबद्ध के नारे लगाए गए। इसके बाद कुछ लोगों द्वारा कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कार्यक्रम स्थल पर रखी कुर्सियों को तोड़े जाने का भी दावा किया गया है। घटना को लेकर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार, कांग्रेस के नेता चुनावी वैतरणी पार करने के उद्देश्य से रात में लाहरीघाट के विधायक आशिफ



नजर के आवास पर पहुंची थी और स्थानीय मौलवियों से समर्थन हासिल करने का प्रयास किया गया था। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है कि नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए 6 अक्टूबर को मतदान होना है और रविवार को प्रचार का अंतिम दिन है। चुनाव मैदान में भाजपा के देवाशीष शर्मा, कांग्रेस की शिवामोहन बोरा और एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल समेत अन्य उम्मीदवार हैं।

ईरान के करमन प्रांत से 31 जासूस गिरफ्तार अमेरिका और इजराइल के समर्थन का आरोप

एजेंसी

तेहरान। ईरान की खुफिया एजेंसी ने करमन प्रांत के सिर्जान जिले में 31 जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग चार अलग-अलग समूह में बंटे हुए थे। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के स्वामित्व वाले प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया मंत्रालय का आरोप है कि इनको अमेरिका और इजराइल का समर्थन था। इनका मकसद शहर में अशांति फैलाना और तोड़फोड़ करना था। खुफिया मंत्रालय के अनुसार, इन लोगों ने किशोरों और नौजवानों को अपने जाल में फंसाने की योजना बनाई थी। वे बड़ी संख्या में पेट्रोल बम तैयार कर चुके थे। इनका इस्तेमाल शहर के सीसीटीवी और कैमरों को



नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाना था। कैमरे खराब करके वे सड़कों पर अशांति फैलाने और तोड़फोड़ करने की तैयारी कर रहे थे। इन पर जनवरी में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया है। इन प्रदर्शनों में हजारों



लोगों की जान चली गई। ईरान सरकार ने इन पर विदेशी ताकतों से जुड़े होने का आरोप लगाया है। प्रेस टीवी के मुताबिक खुफिया मंत्रालय ने इनके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है ताकि कोई और घटना न हो।

सपा-कांग्रेस गठबंधन को भाजपा ने लठबंधन करार दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन पर दोनों दलों के बीच बढ़ती कड़वाहट और तल्लूख बयानबाजी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने करारा हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने दोनों पार्टियों के रिश्तों पर चुटकी लेते हुए इस गठबंधन को रलठबंधनर करार दिया है। राकेश त्रिपाठी का कहना है कि सपा और कांग्रेस दोनों ही दल घोर अहंकारी हैं और उनका यह अहंकार अब खुलकर सामने आ रहा है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने रविवार को कहा कि यह कोई वैचारिक गठबंधन नहीं, बल्कि स्वाार्थों का खेल है। उन्होंने दावा किया कि दोनों दलों के नेताओं का अहंकार देश और प्रदेश के विकास से बड़ा है। यहीं वजह है कि चुनाव नजदीक आते ही इनका तत्त्वाकीर्षित गठबंधन रलठबंधनर में तब्दील हो गया है, जहां सिर्फ एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है।

त्रिशूल-त्रिपुंड, रजत मुकुट और मुण्डमाल से सजे बाबा महाकाल, मोगरे-गुलाब के फूलों से हुआ विशेष श्रृंगार

उज्जैन । मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती में बाबा महाकाल का दिव्य और मनोहारी श्रृंगार किया गया। सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, ची, शहद और फूलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया।

पूजन-अभिषेक के बाद भगवान महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित किया गया। भगवान के मस्तक पर त्रिशूल का अलंकरण किया गया। प्रथम घंटाल के बाद हरिओम का जल अर्पित कर मंत्रोच्चार के साथ भगवान का ध्यान किया गया। कपूर आरती के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढंककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में महा निवाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। धार्मिक मान्यता के अनुसार भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भस्म आरती में शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। **रजत मुकुट और मुण्डमाल से हुआ श्रृंगार :** भस्म अर्पण के बाद बाबा महाकाल को शेषनाग का



जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

भस्म आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के जयकारे लगाए। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामना कहकर बाबा महाकाल से उसके पूर्ण होने की प्रार्थना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह का माहौल बना रहा।

रजत मुकुट, रजत मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई। इसके साथ मोगरे और गुलाब सहित सुगंधित पुष्पों की मालाओं से ज्योतिर्लिंग का विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान को फल और मिष्ठान का भोग अर्पित किया गया।

बांग्लादेश के तंगेल जिला में असामाजिक तत्वों ने दुर्गा पंडाल की सात मूर्तियां खंडित की

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के तंगेल जिले के मिजापूर उप जिला स्थित जमुकी पश्चिमपाड़ा में एक हिंदू मंदिर में दुर्गा पंडाल के लिए बनाई जा रही सात मूर्तियों को असामाजिक तत्वों ने तोड़कर खंडित कर दिया। मंदिर अधिकारियों और पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार रात और गुरुवार तड़के के मध्य हुई। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुकी आर्य समिति के तत्वावधान में लगभग 85 वर्ष से मंदिर में दुर्गा पूजा मनाई जाती रही है। इस वर्ष के उत्सव की तैयारी

चल रही थी, जिसमें दुर्गा मूर्ति सहित सात मूर्तियां तैयार की जा रही थीं। पेंटिंग को छोड़कर ज्यादातर काम पूरा हो चुका था। जमुकी आर्य समिति के अध्यक्ष प्रकाश बकाली ने कहा, रहम बुधवार रात 10:00 बजे तक मंदिर में थे। फिर हम घर चले गए। जब हम सुबह मंदिर लौटे, तो हमने मूर्तियों को खंडित पाया। हमें नहीं पता कि यह किसने किया। हमने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि कानून लागू करने वाले जिम्मेदार लोगों का पता लगाएं और उन्हें न्याय के कटघरे में लाएं।

इस घटना के बाद तंगेल के



पुलिस अधीक्षक मोहम्मद शम्सुल आलम सरकार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और हिंदू समुदाय के सदस्यों को आश्वासन दिया कि अपराधियों के खिलाफ कानूनी

कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है।

चिन्मय दास की रिहाई की मांग: न्यूज एज बांग्लादेश की

रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को भारत के कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमिशन के पास लगभग 100 लोगों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। वे हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग कर रहे थे। वह 2024 से बांग्लादेश की जेल में बंद हैं।

प्रदर्शनकारियों ने विवेकानंद मिशन सेवा प्रतिष्ठान और नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया के बैनर तले सियालदह रेलवे स्टेशन से बांग्लादेश डिप्टी हाई कमिशन तक जुलूस भी निकाला। कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमिशन से मिले संदेश के अनुसार, पुलिस ने मिशन के पास जुलूस को रोक दिया और

पांच प्रतिनिधियों को चांसरी तक ले गई, जहां चांसरी के प्रमुख और दूसरे सचिव ने जापन स्वीकार किया।

संदेश में कहा गया है कि ज्ञानन सौंपने के दौरान प्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा के लिए अतिरिक्त फंड देने और छुट्टी को पांच दिन तक बढ़ाने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का धन्यवाद किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार से दुर्गा पूजा और उसके बाद भी हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया, साथ ही न्याय और चिन्मय कृष्ण दास की जल्द रिहाई की मांग की।

न्यूज **IN** ड्रीफ

अमेरिका ने संरा महासभा खत्म होने के बाद न्यूयॉर्क में रुके ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया। दोनों संयुक्त राष्ट्र (यूपन) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे और महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूपन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका छोड़ दें। एक्सओस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक्सओस की रिपोर्ट के अनुसार, महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य (राजनयिक) न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में ईरानी मिशन सूचित किया। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया। यह दोनों देशों के बीच तनाव का ताजा संकेत है, क्योंकि युद्ध खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशें विफल हो रही हैं और फिर से लड़ाई शुरू होने की आशंका बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था। विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं। महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर अमेरिका उन्हें देश छोड़ने का आदेश दे सकता है। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी से शुरू हुई जंग में ईरान में करीब 7,300 लोग मारे गए और 32,314 घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 1.49 लाख इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे करीब चार लाख लोग प्रभावित हुए। करीब 32 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इस युद्ध का असर स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी पड़ा। 229 स्वास्थ्य केंद्र और 49 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए। वहीं, ईरान ने अप्रैल में बताया था कि युद्ध की वजह से 24.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

यमन में हूती के ठिकानों पर हमला, सऊदी समर्थित सरकारी सेनाओं ने बरपाया कहर



सना (यमन)। यमन में सऊदी-समर्थित सरकारी सेनाओं ने हूती नियंत्रित राजधानी सना पर हवाई हमले कर कहर बरपाया है। यमन सरकार समर्थक सेनाओं का कहना है कि उन्होंने ताइज प्रांत के अल-तक्वाही मोर्चे और लाहिज प्रांत के अल-बाहा जिले में हूथी विद्रोहियों के खिलाफ 97 सटीक हमले किए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मौजिद अब्दुल्ला अल-नुजैली ने बताया कि इन अभियानों में विमानों, ड्रोन, तोपखानों, मिसाइलों और स्नाइपर्स का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि हमले में हूती के 260 लड़ाकों को ढेर कर दिया गया। हूती के सैन्य वाहनों के साथ-साथ परिवहन और आपूर्ति वाहनों को नष्ट या क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हालांकि कुछ घंटे पहले उन्होंने कहा था कि सरकार-समर्थक सेनाओं ने सना, मिडी, बाकिम, अल-जौफ, मारिब, अल-बैदा, लाहिज और ताइज में हूती विद्रोहियों पर 257 हमले किए। हमलों में कम से कम 700 लड़कें मारे गए।

न्याहू ने पीएम मोदी और भारतीय पायलट को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए किया आमंत्रित

तेल अविव । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्लाईडुबई के भारतीय पायलट स्मि्त मच्छर को अगले साल होने वाले इजराइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। नेतन्याहू ने पायलट की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें भारत और इजराइल के साहसी लोगों के साथ-साथ पूरी दुनिया का नायक बताया। नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत के दौरान मच्छर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस हमदान बिन मोहम्मद भी अस्पताल में भर्ती पायलट से मुलाकात कर उनकी सराहना कर चुके हैं। हालांकि, नेतन्याहू का यह निमंत्रण मशाल जलाने के लिए अंतिम चयन की आधिकारिक घोषणा नहीं है। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मशाल जलाने वाले का चयन एक सार्वजनिक सलाहकार समिति करती है। इसके बाद निर्धारित मंत्रीस्तरीय प्रक्रिया के तहत नामों को मंजूरी दी जाती है। इस प्रक्रिया में इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव की अहम भूमिका रही है। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाना विशेष सम्मान माना जाता है। इस समारोह में आम तौर पर उन लोगों को चुना जाता है, जिन्होंने देश और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया हो।

357 साल बाद बिछड़े खानदान के लोग हुए एक, जौनपुर में हुआ कुल मिलन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में केराकत कोतावली क्षेत्र के डेहरी गांव में शनिवार को 357 वर्ष बाद एक खानदान के बिछड़े लोगों का कुल मिलन हुआ। औरंगजेब के शासनकाल में 1669 ई. में अलग हुए परिवार के सदस्य आठ पीढ़ियों बाद एक-दूसरे से मिले। काशी और जौनपुर समेत पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ब्राह्मण परिवार के लोगों ने नौशाद अहमद दुबे को अपने परिवार का बड़ा और मुखिया माना विशाल भारत संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष नौशाद अहमद दुबे ने बिछड़े रिश्तों को जोड़ने के लिए भोजभात का आयोजन किया। कार्यक्रम में पहुंचे रिश्तेदारों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। लंबे अंतराल के बाद मिले परिवर्जनों की आंखों में खुशी और भावुकता का माहौल रहा।बताया गया कि नौशाद अहमद दुबे के आठ पीढ़ी पूर्वज लाल बहादुर दुबे आजगढ़दू के रानी की सराय के निवासी थे। औरंगजेब के दौर में परिस्थितियों के कारण उन्होंने इस्लाम ग्रहण किया और जौनपुर के डेहरी गांव में आकर बस गए। उनके परिवार के अन्य सदस्य रानी की सराय समेत पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों में चले गए। पीढ़ियों तक दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से बिछड़े रहे।नौशाद अहमद दुबे की बेटी की शादी के कार्ड पर हट्टदूबेह उपनाम लिखे जाने के बाद पूर्वजों और रिश्तेदारों की तलाश शुरू हुई। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इतिहासकार डॉ. राजीव श्रीगुरुजी और उनकी शोध टीम ने करीब चार वर्षों तक पड़ताल कर पूर्वांचल में बिछड़े रिश्तेदारों की जानकारी जुटाई।



लातेहार में जरूरतमंदों को मिलेगा इलाज का सहारा, सरकार देगी आर्थिक मदद



संजय कुमार यादव

लातेहार:गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना मददगार साबित हो रही है। कल्याण विभाग की ओर से संचालित इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के पात्र लोगों को गंभीर बीमारी, सर्जरी और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना का उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण किसी गरीब का इलाज नहीं रुकने देना है।

उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले पात्र लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और कल्याण पदाधिकारियों को पंचायत स्तर पर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इसका लाभ उठा सकें।

बीमारी के अनुसार मिलेगी सहायता : योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र के लाभुकों को बीमारी की प्रकृति के अनुसार तीन बीमार से 25 हजार रुपये तक, जबकि 18 वर्ष से कम उम्र के लाभुकों को 1500 से 15 हजार

रुपये तक आर्थिक सहायता दी जाती है। किसी बीमारी अथवा शल्य चिकित्सा से पीड़ित पात्र व्यक्ति योजना का लाभ ले सकता है। गर्भावस्था और प्रसव को इस योजना से बाहर रखा गया है।

राशन कार्डधारी होना जरूरी : योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का झारखंड का निवासी होना तथा एससी, एसटी, ओबीसी या अल्पसंख्यक वर्ग से संबंधित होना जरूरी है। इसके अलावा आवेदक के पास राशन कार्ड भी होना चाहिए।

इन दस्तावेजों की होगी जरूरत: एसटी, एससी और पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को ऑनलाइन निर्गत जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह सिविल सर्जन अथवा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा जारी बीमारी से संबंधित प्रमाण पत्र/प्रतिवेदन, आधार कार्ड और बैंक पासबुक की छायाप्रति आवेदन के साथ जमा करनी होगी।

कहां करें संपर्क: योजना की जानकारी और आवेदन के लिए लाभुक जिला कल्याण कार्यालय, सिविल सर्जन कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, जिला कल्याण पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आईटीडीए अथवा संबंधित प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार सह संपादक अवधेश शुक्ला की माता साबित्री देवी का निधन

मेट्रो

मेदिनीनगर: वरिष्ठ पत्रकार सह संपादक अवधेश कुमार शुक्ला की माता साबित्री देवी का 84 वर्ष की उम्र में निधन रविवार सुबह 6:00 हो गया। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं और उनका इलाज कराया जा रहा था। काफी उपचार के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने बारालोटा, भवानीनगर, मेदिनीनगर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार डाल्टनगंज स्थित पंपु कुल कोयल नदी के तट पर रविवार को किया जायगा । उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। साबित्री देवी के पति स्वर्गीय राघव शुक्ला सदर अस्पताल, डाल्टनगंज के सेवानिवृत्त प्रधान लेक्चर थे। गत वर्ष 2025 में उनका निधन हो गया था। साबित्री देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके दो पुत्र, एक पुत्री तथा पोता-पोती हैं। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ परिचितों और शुभचिंतकों में भी शोक व्याप्त है।

बाढ़ के बाद दियारा के लोगों की बढ़ी मुश्किलें

राशन में कटौती से लेकर महामारी की आशंका

सारण/पटना: गंगा दियारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी उतरने के बाद जहां जनजीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है, वहीं ग्रामीणों की मुश्किलें कम होने के बजाय नई समस्याओं के कारण बढ़ती जा रही हैं। एक ओर बाढ़ प्रभावित परिवारों की राहत और राशन वितरण में अनियमितता की शिकायतें सामने आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर खेतों में सड़ी फसलों से उठ रही दुर्गंध और साफ-सफाई व कीटनाशक छिड़काव की कथित कमी से ग्रामीणों में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। प्रति यूनिट पांच किलो की जगह चार किलो राशन देने का आरोप: राशन वितरण व्यवस्था को लेकर दियारा क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। राशन कार्डधारियों का आरोप है कि उन्हें निर्धारित मात्रा के अनुसार प्रति यूनिट पांच किलोग्राम अनाज मिलना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर डीलरों द्वारा चार किलोग्राम ही अनाज दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति लगातार बनी हुई है और क्वार्टर में भी प्रति यूनिट चार किलो अनाज दिए जाने की शिकायत सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार, एक डीलर के क्षेत्र में सैकड़ों राशन कार्डधारी होते हैं। ऐसे में प्रति यूनिट एक किलोग्राम की कथित कटौती बड़ी मात्रा में अनाज के अंतर में बदल जाती है। आरोप है कि इस तरह हर महीने बड़ी मात्रा में अनाज की कालाबाजारी की जा रही है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जब वे कम राशन दिए जाने का विरोध करते हैं तो उन्हें यह कहकर शांत करा दिया जाता है कि अधिकारियों की ओर से ही कम अनाज देने का निर्देश मिला है। हालांकि, इस संबंध



में संबंधित अधिकारियों या विभाग की ओर से कोई अधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।
डीलर और अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप: राशन वितरण में कथित अनियमितता को लेकर ग्रामीण डीलरों के साथ-साथ संबंधित विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि स्थानीय स्तर पर शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अनियमितता को बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि राशन कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में अनाज नहीं मिल रहा है तो इसकी निगरानी कौन कर रहा है और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है?

बाढ़ का पानी उतरा, लेकिन खेतों की सड़ांध ने बढ़ाई परेशानी: सितंबर का महीना समाप्त होने और अक्टूबर शुरू होने के साथ गंगा के दियारा इलाकों में बाढ़ का

करम मिलन समारोह में दिखी प्रकृति संस्कृति और सामाजिक एकता की झलक

संवाददाता

चाईबासा: प्रकृति एवं लोक-संस्कृति के महापर्व करम के पावन अवसर पर रांची के अरगोड़ा में युवा साथियों द्वारा भव्य एवं गरिमामयी करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में रांची के उपायुक्त , कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगारी सहित राज्यभर में अपनी सेवाएं दे रहे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सम्मानित सेवानिवृत्त अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समाज के प्रभुद्धजनों एवं अगुवा साथियों की मौजूदगी ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

समारोह का उद्देश्य आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक विरासत एवं



प्रकृति के प्रति आस्था को संरक्षित करने के साथ-साथ आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द एवं एकता को मजबूत

करना था। कार्यक्रम में करम पर्व की सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्ता पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर चक्रधरपुर

सिलफोड़ी में निशुल्क विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शिक्षा से ही बदलाव संभव: सचिव डीएलएसए

बाल विवाह में शामिल होना भी अपराध, ऐसी परिस्थितियों से बचें

संवाददाता

चक्रधरपुर: झालसा रांची एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डी एल एसए चाईबासा मोहम्मद

शाकिर के मार्गदर्शन में 60 दिवसीय मेगा अभियान के तहत सिलफोड़ी पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया।

इस मौके पर प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही बदलाव की उम्मीद की जा सकती है उन्होंने के अधिकार अधिनियम 2009 की आवश्यक प्रवाधानों को प्रमुखता से बताया।

बाल अधिकार पर चर्चा करते हुए उन्होंने किशोर न्याय प्रणाली की आवश्यकता और देखभाल की जरूरत वाले बच्चों के लिए उपलब्ध सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की, उन्होंने डायन के नाम पर की



जा रही हिंसा को अंधविश्वास बताया और कहा कि यह न सिर्फ अनैतिक है बल्कि गंभीर अपराध

भी है, उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि वे ऐसी घटनाओं को घटने से पहले ही रोकने का

नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि करम पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है। ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के सभी युवा साथियों एवं सदस्यों को सफल एवं अनुशासित आयोजन के लिए हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति और संस्कृति की यह अविरल धारा समाज में हमेशा एकता, भाईचारे और उमंग का संचार करती रहे।

समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने पारंपरिक संस्कृति एवं सामाजिक एकता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

एसजीएफआई स्केटिंग में पलामू के विवेक टोप्पो व शिवम कुमार का नेशनल टीम में चयन

अंडर-19 में विवेक टोप्पो प्रथम व शिवम कुमार रहे द्वितीय, जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ने दी बधाई



मेट्रो

मेदिनीनगर: झारखंड सरकार के तत्वाधान में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय खेल व स्कूली खेल प्रतियोगिता के तहत पलामू के खिलाड़ियों ने स्केटिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। रांची के खेलगांव स्टेडियम में शनिवार को आयोजित राज्य स्तरीय खुली चयन प्रतियोगिता 2026-27 में पलामू जिले के सात खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें अंडर-19 वर्ग में विवेक टोप्पो प्रथम व शिवम कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल कर स्केटिंग के नेशनल गेम्स के लिए अपना चयन सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची (एसजीएफआई) की ओर से किया गया। इसमें झारखंड के विभिन्न स्कूलों से पहुंचे स्कूली खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया।

पलामू से दो खिलाड़ियों के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर पलामू जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन में खुशी का माहौल है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि पलामू के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत व प्रतिभा के दम पर जिले का नाम रोशन किया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर दो खिलाड़ियों का नेशनल के लिए चयन होना पलामू के लिए गौरव की बात है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। सचिव राजन सहाय व कोषाध्यक्ष आशीष सोनी ने भी विवेक टोप्पो व शिवम कुमार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता से जिले के अन्य बच्चों को भी स्केटिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। एसोसिएशन के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पलामू और झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

मौके पर एसोसिएशन की सदस्य मंजू देवी, पम्मी सिद्धार्थ, जितेंद्र चंद्रवंशी, अश्विनी घई, शैलेन्द्र कुमार तिवारी व शिवशंकर भंडारी समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। सभी ने चयनित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

बीआईएडीए ने 12 औद्योगिक इकाइयों को आवंटित की 9.14 एकड़ औद्योगिक भूमि



पटना : बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बीआईएडीए) की प्रोजेक्ट क्लियरेंस कमिटी (पीसीसी) की बैठक बीआईएडीए के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में राज्य में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना एवं निवेश को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान 12 औद्योगिक इकाइयों को 9.14 एकड़ औद्योगिक भूमि एवं प्लग एंड प्ले शेड्स के आवंटन को मंजूरी प्रदान की गई। स्वीकृत औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से लगभग 132.60 करोड़ के निवेश की संभावना है, जिससे करीब 2,500 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इन इकाइयों की स्थापना पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, भागलपुर, पूर्णिया, मधुबनी, औरंगाबाद एवं सहरसा में प्रस्तावित है।

बैठक में औद्योगिक भूखंडों के साथ प्लग एंड प्ले सुविधाओं से संबंधित प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। इसके माध्यम से निवेशकों को तैयार औद्योगिक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे औद्योगिक इकाइयों की स्थापना एवं संचालन की प्रक्रिया को सुगम और त्वरित बनाया जा सके।

उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि राज्य में स्वीकृत हो रही नई औद्योगिक परियोजनाएँ बिहार के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल आधारित अवसर सृजित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करते हुए राज्य को आधुनिक औद्योगिक एवं विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उद्योग विभाग के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार ने कहा कि राज्य सरकार संतुलित एवं समग्र औद्योगिक विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इकठ्ठाऊँ के माध्यम से पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया के तहत निवेशकों को औद्योगिक भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही, सुदृढ़ अवसरंचना, बेहतर कनेक्टिविटी, सुगम प्रक्रियाएँ एवं नीतिगत सहयोग के माध्यम से निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि परियोजनाओं का त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

उन्होंने कहा कि यह पहल बिहार को निवेश के लिए एक उभरते औद्योगिक गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इन स्वीकृत परियोजनाओं से राज्य में औद्योगिक निवेश को गति मिलने, औद्योगिक आधार के विस्तार तथा रोजगार के नए अवसरों के सृजन में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की संभावना है। इकठ्ठाऊँ द्वारा औद्योगिक भूमि एवं आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता के माध्यम से राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है।

